Date:
P. No:

Chapter 1

भारत में राष्ट्रवाद

प्रश्न 1 बहिष्कार से क्या तात्पर्य है?

उत्तर/ बहिष्कार

किसी के साथ संपर्क रखने और जुड़ने से इन्कार करना या गतिविधियों में हिस्सेदारी वस्तुओं को खरीदने या इस्तेमाल करने से मना करना बहिष्कार विरोध का एक रूप है। बहिष्कार कहलाता है।

प्रश्न 2 गिरमिटिया से क्या तात्पर्य है?

उत्तर औपनिवेशिक शासन में भारतीय मजदूरों को कम करने के लिए फिजी गुयाना वेस्टइंडीज आदि देशों में ले जाया जाता इन्हें गिरमिटिया कहा जाने लगा। इन्हें विदेश एक अनुबंध के तहत ले जाते थे इस अनुबंध को गिरमिट कहते हैं, और मजदूरों को गिरमिटिया मजदूर कहा जाता था।

प्रश्न 3 पिकेटिंग से क्या अभिप्राय है?

उत्तर प्रदर्शन का एक ऐसा स्वरूप जिसमें लोग किसी दुकान फैक्ट्री या ऑफिस के भीतर जाने का रास्ता रोक लेते थे उसे पिकेटिंग कहा जाता है।

प्रश्न 4 Vimp जालियाँवाला बाग हत्याकाण्ड पर टिप्पणी कीजिए?

उत्तर जालियाँवाला बाग एक छोटा-सा बाग है, जो अमृतसर में स्थित है।

theboardstudy.com

Date:
P. No:

इसके चारो तरफ मकान है, 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी के दिन मेले का आयोजन हुआ जिसमे कुछ लोग आस-पास के क्षेत्र से आए थे, तथा कुछ लोग का लक्ष्य रॉलेक्ट एक्ट के विरोध मे लोगो से बात करना थी उस समय मार्शल लगा हुआ था जिसके चीफ जनरल डायर था जनरल डायर ने अपने सैनिको के साथ बाग मे प्रवेश किया बाग मे पुरुष, महिलाए बच्चे और बुजुर्ग उपस्थित थे जनरल डायर ने बिना चेतावनी दिये अपने सनिको को अपना फायरिंग करने का आदेश दिया इस घटना मे सरकारी आँकडो के अनुसार 400 लोग मारे गए और 1200 से अधिक घायल हुए। जनरल डायर का उद्देश्य लोगो के जहन मे डर पैदा करना था। जिससे लोग आमचो के खिल खिलाफ आवाज नही उठाए।

प्रश्न-5 रॉलेक्ट एक्ट से आप क्या समझते है?

उत्तर अंग्रेजो द्वारा 1919 मे पारित किया गया एक ऐसा कानून जिसमे किसी भी भारतीय को बिना मुकदमा चलाए जेल मे बंद किया जा सकता था।

प्रश्न-6 चम्पारण सत्याग्रह के बारे मे आप क्या जानते हो?

Date:
P. No:

उत्तर बिहार के चम्पारण मे नील की खेती करने वाले किसानो पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ गाँधीजी ने सत्य और अहिंसा के माध्यम से जो आंदोलन चलाया उसे चंपारण आंदोलन कहते है।

प्रश्न 7 अल्लूरी सीताराम राजू कौन थे?

उत्तर आंध्रप्रदेश की गूडेम पहाड़ियो मे 1920 के दशक मे नये वन कानूनो के लगाए जाने के प्रतिरोध मे आदिवासियो का विद्रोह हुआ। जिसका नेतृत्व अल्लूरी सीताराम राजू ने किया।

प्रश्न 8 नमक यात्रा पर टिप्पणी लिखिए?

नमक यात्रा :-

नमक यात्रा महात्मा गाँधी ने अपने 78 साथियो के साथ उनके आश्रम (साबरमती) से 12 मार्च 1930 को प्रारम्भ की यह यात्रा 240 मील दूर गुजरात मे स्थित (दाण्डी) नामक स्थान पर समाप्त होनी थी। गाँधी जी तथा उनके दल ने 24 दिन तक यह यात्रा की और प्रतिदिन 10 मील का सफर तय किया गाँधी जी जहाँ भी रुकते, कई लोग उनके सुनते गाँधी जी ने जनता को इस यात्रा के दौरान स्वराज का अर्थ बताया। 6 अप्रैल 1930 को यात्रा दाण्डी पहुँची

Date:
P. No:

गाँधी जी ने समुद्र का पानी उबालकर नमक बनाया और इस तरह नमक कानून तोड़कर सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारम्भ किया।

प्रश्न-9 भारत के लोग रॉलेक्ट एक्ट के विरोध में क्यों थे?

उत्तर भारत मे क्रांतिकारी आंदोलन को रोकने के लिए अंग्रेजो द्वारा रॉलेक्ट एक्ट द्वारा रॉलेक्ट एक्ट लागू किया गया इस कानून के अनुसार सरकार को राजनीतिक गतिविधियो को कुचलने और राजनीतिक कैदियो को 2 साल तक बिना मुकदमा चलाये जेल मे बंद करने का अधिकार मिल गया था विश्व युद्ध के बाद इसे खत्म करना था किन्तु सरकार ने इसे बनाए रखा भारतीयो के लिए यह काला कानून बन गया और इसके खिलाफ आंदोलन होने लगे।

प्रश्न-10 गाँधी जी को असहयोग आंदोलन क्यो वापस लेना पड़ा?

उत्तर गाँधी जी को 17 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन वापस लेना पड़ा 5 फरवरी 1922 की घटना के कारण गांधी जी को आंदोलन बंद करना पड़ा 5 फरवरी चौरी-चौरी नामक स्थान पर शांतिपूर्ण जुलूस ने पुलिस के साथ हिंसक टकराव के कारण ये लड़ाई मे बदल गया।

Date:
P. No:

आंदोलनकारियो ने पुलिस कर्मियो को थाने में बंद कर दिया और आग लगा दी जिससे 22 पुलिसकर्मी जल कर मर गए। जब ये घटना गाँधी जी के पास पहुँची तो उन्हे बहुत दुःख हुआ इस घटना के कारण 10 मार्च 1922 को अंग्रेजो ने गाँधी जी को गिरफ्तार किया और उन्हे 6 साल की सजा दी गई।

प्रश्न-11 पहले विश्व युद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आँदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया?

4 M

उत्तर- प्रथम विश्व युद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में निम्न योगदान दिया :-

(i) प्रथम विश्व युद्ध 1 अगस्त 1914 से प्रारंभ हुआ इस युद्ध में सैनिक की आवश्यकताओ की पूर्ति के लिए भारतीयो को सेना में भर्ती किया जिससे भारतीयो का आत्मविश्वास जागृत हुआ।

(ii) युद्ध के कारण ब्रिटेन का रक्षा खर्च बढ़ गया जिसकी पूर्ति करने के लिए उन्होने भारत पर कर बढ़ा दिया।

(iii) 1918 से 1921 ई. तक सारे देश में आकाल, सूखा तथा बाढ़ के

करण भारत को संकट का सामना करना पड़ रहा था जिससे महामारी फैल गयी और लाखो लोग मारे गए अंग्रेजी शासन ने इस संकट में कोई सहायता नही की अत: भारतीयो ने एक जुट होकर राष्ट्रीय आंदोलन मे भाग लिया।

(iv) भारत मे क्रांतिकारी आंदोलनो को रोकने के लिए अंग्रेजो द्वारा रोलेक्ट एक्ट लागू किया गया जिसमे बिना मुकदमा चलाए दो साल का सजा का प्रावधान था प्रथम विश्व युद्ध के बाद इसे वापस लेना था किन्तु अंग्रेजो ने ऐसा नही किया और भारतीयो ने इसे काला कानून माना।

प्रश्न 2 भारत माता की छवि और जर्मेनिया की छवि की तुलना कीजिए?

उत्तर

भारत माता की छवि	जर्मेनिया की छवि
(i) अवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1905 मे बनाया	(i) इस छवि को फिलिप वेट 1848 मे बनाया।
(ii) इसमे भारत माँ को अन्नपूर्णा के रूप मे दर्शाया है जिसके एक हाथ में माला एक में पुस्तक एक हाथ में भोजन तथा एक मे कपड़ा है।	(ii) इसमे जर्मेनिया को राइन नदी पर पहरा देते हुए बनाया है।

(iii) भारत माता की छवि श्रद्धा और राष्ट्रवाद के प्रति आस्था का प्रतीक है।	(iii) जर्मेनिया की छवि वीर, साहस और रक्षा का प्रतिक है।
(iv) भारत माता की दूसरा छवि मे इन्हे सन्यासिनी के रूप मे दर्शाया गया है। जिनके एक हाथ त्रिशुल और एक हाथ मे झंडा है।	~~(iv) जर्मेनिया की छवि वीर, साहस और रक्षा~~ (iv) जर्मेनिया के हाथ मे तलवार है जिस पर लिखा है जर्मन तलवार

प्रश्न-13 साइमन कमीशन पर टिप्पणी लिखिए,

उत्तर: 8 नवम्बर 1927 को सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में इंग्लैंड की सरकार ने एक कमीशन बनाया जिसे साइमन कमीशन कहा गया। 3 फरवरी 1928 मे यह कमीशन भारत पहुँचा इसका उद्देश्य भारतीय संविधानिक कार्यप्रणाली का अध्ययन करना था तथा कुछ सुझाव देने थे इस कमीशन मे एक मे एक भी भारतीय नही था इसलिए भारतीयो ने इस कमीशन का विरोध किया जहाँ भी यह कमीशन जाता आंदोलकारी नारा लगाते "साइमन वापस जाओ" इसका विरोध का कारण यह भी था कि कमीशन के सुझाव

theboardstudy.com

Date:
P. No:

से स्वराज पाने कर रहे थे अंग्रेजो द्वारा लाल लाजपतराय इस कमीशन का विरोध कर रहे थे अंग्रेजो द्वारा उन पर लाठी चार्ज किया गया जिसमे वे घायल हो गए और कुछ दिनो बाद उनकी मृत्यु हो गई साइमन कमीशन को काला कानून माना गया और इन्हे काले झण्डे दिखाए गए।

प्रश्न 15 उपनिवेशो मे राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनो से जुडी हुई क्यो थी?

उत्तर आधुनिक राष्ट्रवाद के उदय की घटना उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन के साथ गहरे रूप मे जुडी होती है। क्योकि,

(i) औपनिवेशिक शासको के खिलाफ संघर्ष के दौरान लोग आपसी एकता को पहचानने लगे थे।

(ii) उत्पीडन और दमन के साझा भाव ने विभिन्न समूहो को एक-दूसरे के साथ बांध दिया।

(iii) भारत, चीन, बर्मा, वियतनाम, लैटिन, तथा अफ्रीकी देशो मे आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक शोषक के कारण राष्ट्रीय आंदोलन प्रारम्भ हुआ और इन्होने उपनिवेशवाद को पूरे विश्व से हटा दिया।

Date:
P. No:

इस कारण राष्ट्रवाद का उदय अतिवेशवाद विरोधी आंदोलन के कारण हुआ।

प्रश्न 15 असहयोग आंदोलन में समाज के विभिन्न वर्गों की हिस्सेदारी पर प्रकाश डालिए

उत्तर महात्मा गाँधी द्वारा चलाए गए असहयोग आंदोलन में समाज के सभी वर्गों ने अपनी हिस्सेदारी दी

(i) आंदोलन में शहरी मध्यम वर्ग के समूह ने असहयोग आंदोलन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया विदेशी सामान का बहिष्कार किया वकीलों ने वकालत छोड़ दी, डॉक्टर, शिक्षक तथा अन्य वर्गों ने अंग्रेजों का विरोध किया।

(ii) ग्रामीण क्षेत्रों के किसानों तथा मजदूरों ने गाँधी जी के विचारों को समझा और असहयोग आंदोलन में भाग लिया।

(iii) गाँधी जी द्वारा चलाया गया यह आंदोलन न केवल शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में था बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में भी इस आंदोलन के चर्चे थे, मध्यप्रदेश बिहार के आदिवासियों ने असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया।

(iv) विद्यार्थियों द्वारा भी अंग्रेजों के शिक्षण संस्थानों का बहिष्कार किया गया।

Date:
P. No:

प्रश्न16 बागानी मजदूरो ने असहयोग आंदोलन में भाग क्यो लिया ? कोई तीन कारण लिखिए ?

उत्तर16 बागानी मजदूरो ने असहयोग आंदोलन ने निम्न कारणो से भाग लिया ।

(i) अंग्रेजो द्वारा बनाए गए कानून के तहत बागानो में काम करने वाले मजदूरो को बिना इजाजत बागान से बाहर जाने की अनुमति नही थी ।

(ii) बागान मजदूरो को कम वेतन देकर अधिक समय तक काम करवाया जाता था

(iii) बागान मजदूरो को बन्धुआ मजदूर की तरह रखकर उनसे काम लिया जाता था ।

(iv) अंग्रेज भारतीय मजदूरो को गिरमिटिया मजदूर बनाकर अपने अधिकार वाले देश में ले जाते थे । इसका भी विरोध भारतीयो ने किया ।

प्रश्न17 उन परिस्थितियो की व्याख्या कीजिए जिनमे गाँधी जी ने 1931 में सविनय अवज्ञा आंदोलन को वापस लेने का निर्णय लिया ?

उत्तर17 गाँधी जी ने गाँधी - इरविन समझौते के कारण आंदोलन के वापस लेने का निर्णय लिया इसके निम्न कारण है।

(1) सरकार समझौते के तहत कैदियो को रिहा करने के लिए राजी हो गई थी ।

(2) सरकार ने दमनकारी नीति चला रखी थी जिसके तहत शांतिपूर्ण सत्याग्रहियो

Date:
P. No:

पर हमले किए गए औरतो और बच्चो को मारा-पीटा गया और लगभग 1 लाख लोगो को गिरफ्तार किया गया।

(iii) अहिंसा का यह आंदोलन हिंसा में बदल गया लोगो ने अंग्रेजो के भवन, अदालत नगरपालिका, रेल्वे स्टेशन तथा थाने आदि पर हमले किए।

theboardstudy.com